हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

रविवार 17 मई 2026 बर्ष 02 अंक 130 पृष्ठ 4

www.keshavtv24.com

Email:keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

आपकी सफलता आपकी सोच पर निर्भर करती है। जीवन में चुनौतियों का सामना करना अनिवार्य है, लेकिन उन्हें हल करना आपके अंदर की ताकत और क्षमता का परिचय देता है।

आस्था, सुरक्षा और आधुनिक सुविधाओं के संग आज से शुरू होगा राजगीर मलमास मेला 2026

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे उद्घाटन, 15 जून तक चलने वाले मेले में लाखों श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट

राजगीर (नालंदा)। राजगीर में आज से विश्व प्रसिद्ध मलमास मेला 2026 की शुरुआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ब्रह्मकुंड परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार और ध्वजारोहण के साथ मेले का विधिवत उदघाटन करेंगे। ध्वजारोहण के बाद मुख्य कार्यक्रम सभा भवन में आयोजित होगा, जहां पंडा समिति के पदा. धिकारी मुख्यमंत्री का स्मृति चिह्न देकर नागरिक अभिनंदन करेंगे। एक महीने तक चलने वाला यह धार्मिक महाकुंभ 15 जून तक जारी रहेगा। मेले के दौरान राजगीर के 22 पवित्र गर्म कुंडों और 52 धाराओं में तीन शाही स्नान का विशेष योग बनेगा। नेपाल और श्रीलंका सहित देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु, नागा साधु, अखाड़ों के महामंडलेश्वर, तपस्वी संत और ऋषि–मुनि मेले में शामिल होंगे।

मलमास में राजगीर में प्रवास करते हैं 33 कोटि देवी–देवता

पंचांग के अनुसार प्रत्येक तीसरे वर्ष आने वाले 13वें महीने को अधिमास, पुरुषोत्तम मास या मलमास कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस पवित्र अवधि में हिंदू धर्म के सभी 33 कोटि देवी–देवता राजगीर में निवास करते हैं। यही वजह है कि मनोकामना पूर्ति, आत्मशुद्धि और पुण्य लाभ के लिए श्रद्धालु पूरे महीने राजगीर में प्रवास करते हैं। मान्यता है कि राजगीर के गर्म कुंडों में स्नान करने से मनुष्य के सभी पाप और कष्ट दूर हो जाते हैं। पूरे शहर में चौबीसों घंटे मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और भजन–कीर्तन की गूंज सुनाई देती है।

श्रद्धालुओं के लिए भव्य जर्मन हैंगर और वीआईपी टेंट सिटी

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन और बिहार सरकार ने इस बार व्यापक इंतजाम किए हैं।

राजगीर के 14 प्रमुख स्थलों पर विशाल प्रवास केंद्र बनाए गए हैं। इनमें 11 जगहों पर आधुनिक जर्मन हैंगर तकनीक से बने वाटरप्रूफ पंडाल और 3 जगहों पर विशेष यात्री शेड तैयार किए गए हैं। स्टेट गेस्ट हाउस मैदान में 6 हजार लोगों की क्षमता वाली आलीशान वीआईपी टेंट सिटी बनाई गई है। यहां मिस्ट कूलर, बड़े पंखे, पर्याप्त रोशनी, पेयजल, शौचालय और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की गई है।

300 प्याऊ से मिलेगा गंगाजल, 3 लाख लोगों के लिए पेयजल व्यवस्था

पीएचईडी विभाग की ओर से पूरे मेला क्षेत्र में 30 स्थानों पर 300 प्याऊ लगाए गए हैं, जहां श्रद्धालुओं को मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना केतहत गंगाजल उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा 20 नए चापाकल लगाए गए हैं तथा 60 खराब चापाकलों की मरम्मत कराई गई है। आपात स्थिति के लिए 15 पेयजल टैंकर रिजर्व में रखे गए हैं।प्रशासन ने प्रतिदिन लगभग 3 लाख श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की है।

महिलाओं के लिए विशेष सुविधा, 1000 से अधिक शौचालय

मेले में महिला श्रद्धालुओं की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया गया है। पीएचईडी विभाग ने 750 आधुनिक शौचालय बनाए हैं, जिनमें महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग–अलग व्यवस्था की गई है। नगर परिषद ने 250 अतिरिक्त अस्थायी शौचालय बनाए हैं। इस प्रकार पूरे मेला क्षेत्र में 1000 से अधिक शौचालय उपलब्ध रहेंगे। ब्रह्मकुंड, वैतरणी घाट और सूर्यकुंड में महिलाओं के लिए 25 सुरक्षित एवं आधुनिक चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने पूरे मेला क्षेत्र को मेडिकल सुरक्षा कवच से ढक दिया है। टेंट सिटी, ब्रह्मकुंड, रेलवे स्टेशन और वैतरणी घाट समेत 8 प्रमुख स्थानों पर अस्थायी अस्पताल बनाए गए हैं। इसके अलावा 18 स्थानों पर स्वास्थ्य शिविर लगाए गए हैं। गंभीर मरीजों के लिए 16 अत्याधुनिक एम्बुलेंस तैनात की गई हैं। वहीं संकरी गलियों में इलाज के लिए 4 चलंत चिकित्सा दल लगातार सक्रिय रहेंगे। 32 मेडिकल सुपरवाइजर और 260 से अधिक पारामेडिकल कर्मियों को ड्यूटी पर लगाया गया है।

अभेद्य सुरक्षा घेरा, 550 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी

मेला क्षेत्र की सुरक्षा के लिए करीब 950 दंडाधिकारी और 530 पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। दुर्गम क्षेत्रों में गश्त के लिए घुड़सवार पुलिस बल भी तैनात रहेगा। पूरे मेले की निगरानी के लिए 250 स्थानों पर 550 हाई–डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा 38 पुलिस चौकियां और 16 वॉच टावर बनाए गए हैं। सुरक्षा बलों को नाइट विजन उपकरण, वायरलेस सेट और ड्रैगन लाइट्स से लैस किया गया है। मेला क्षेत्र को 3 सफाई जोनों में बांटा गया है। सफाई व्यवस्था के लिए 1700 से अधिक कर्मियों की तैनाती की गई है। 9 आधुनिक सेक्शन मशीनों के जरिए शौचालय और सोकपीट की सफाई होगी। एंटी–लार्वा फॉगिंग, चूना और ब्लीचिंग पाउडर का नियमित छिड़काव किया जाएगा। मेला क्षेत्र में 30 अत्याधुनिक अग्निशमन गाड़ियां तैनात की गई हैं, जिनमें 20 मिस्ट टेक्नोलॉजी वाहन शामिल हैं। संकरी गलियों में आग लगने की स्थिति से निपटने के लिए विशेष तैयारी की गई है। पटना, गया, बख्तियारपुर, जहानाबाद और नवादा से विशेष रिंग बस सेवा चलाई जा रही है। शहर में 12 बड़े पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। भारी वाहनों की एंट्री पर रोक लगाई गई है तथा ई–रिक्शा और टोटो के लिए अलग रूट और किराया सूची जारी की गई है। श्रद्धालुओं को सस्ता और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए 25 स्थानों पर 'दीदी की रसोई' संचालित की जाएगी। वहीं मेले में झूले, ड्रैगन राइड्स और सोनपुर मेले की तर्ज पर थिएटर भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। राजगीर के मलमास मेले से जुड़ी एक प्रसिद्ध लोककथा भी है। मान्यता है कि जब सभी देवी–देवताओं को राजगीर आने का निमंत्रण दिया गया, तब कागभुशुण्डि यानी कौए को निमंत्रण नहीं मिला। इसी कारण पूरे मलमास मेले के दौरान राजगीर में एक भी कौआ दिखाई नहीं देता।

बिहारशरीफ में सनातन आस्था का बड़ा केंद्र बनेगा मंगला स्थान मंदिर, 2 करोड़ की लागत से होगा भव्य पुनर्निर्माण

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट

बिहारशरीफ (नालंदा)। सनातन धर्म विकास ट्रस्ट की ओर से देवी सराय स्थित मंगला स्थान मंदिर के पुनर्निर्माण को लेकर वैष्णवी मैरेज हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. सुनील कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं भाजपा नालंदा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार भी मौजूद रहे। बैठक में मंदिर के विकास एवं पुनर्निर्माण की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। इस दौरान डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि मंगला स्थान मंदिर की जर्जर स्थिति को देखकर लंबे समय से इसके कायाकल्प की आवश्यकता महसूस हो रही थी। अब मंदिर के पुनर्निर्माण का नक्शा तैयार कर लिया गया है और करीब 2 करोड़ रुपये की लागत से इसे नया एवं भव्य स्वरूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंदिर की मूल धार्मिक पहचान को बरकरार रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मॉडल मंदिर के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि यह निर्माण कार्य जनसहयोग से पूरा किया जाएगा और बिहारशरीफ के श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों का इसमें भरपूर सहयोग मिल रहा है। साथ ही उन्होंने लोगों से सनातन धर्म विकास ट्रस्ट के क्यूआर संहिता के माध्यम से इस पुनीत कार्य में सहयोग करने की अपील की।

डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि मंगला स्थान मंदिर के बाद बिहारशरीफ के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अपने मंत्री कार्यकाल में बड़ी पहाड़ी स्थित हिरण्य पर्वत के विकास के लिए 2 करोड़ 68 लाख रुपये की योजना की अनुशंसा की गई थी, जिसका कार्य वर्तमान में जारी है। वहीं बाबा मणिराम अखाड़ा क्षेत्र को भी लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटन एवं धार्मिक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। हिरण्य पर्वत पर भगवान श्रीराम की विशाल प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनेगी।बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार, वार्ड पार्षद गुलमली पासवान, मंदिर ट्रस्ट के सदस्य अनिल कुमार, महेश कुमार, प्रमोद कुमार, संजीव कुमार, अवधेश कुमार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार, नीरज कुमार डब्ल्यू, अमरेश कुमार, अमित शान, महेंद्र प्रसाद, सोनू कुमार हिंदू, शिवम् राज, पूर्व मेयर सुधीर कुमार, धनंजय कुमार, संदीप कुमार, अविनाश कुमार, मणिकांत पासवान, ललन कुमार, धीरज पाठक, संजय मुखिया, जितेंद्र कुमार, राहुल कुमार मेहता, राजीव कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पुनहा गांव में मारपीट मामले में एक युवक की मौत, 13 नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट

रहुई(नालंदा)। रहुई थाना क्षेत्र के पुनहा गांव में 15–16 मई 2026 की रात दो पक्षों के बीच हुए आपसी विवाद में मारपीट की घटना सामने आई है। घटना की सूचना रात करीब 12 बजे रहुई थाना को प्राप्त हुई, जिसके बाद थानाध्यक्ष ने वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच की। जांच में पता चला कि पुनहा गांव निवासी अनिल चौधरी एवं बाल्मीकि चौधरी के परिजनों के बीच आपसी विवाद को लेकर मारपीट हुई थी। इस घटना में अनिल चौधरी पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया, जहां रवि कुमार (उम्र करीब 25 वर्ष), पिता– अनिल चौधरी को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल सन्नी कुमार, पिता– अनिल चौधरी को बेहतर इलाज के लिए बिम्स अस्पताल पावापुरी रेफर किया गया है। मृतक के पिता के फर्दबयान के आधार पर रहुई थाना कांड संख्या– 227/26 दिनांक 16 मई 2026 दर्ज किया गया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत 14 नामजद अभियुक्तों को आरोपित किया गया है।पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 13 नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में बाल्मीकि चौधरी, जयराम चौधरी, बजरंगी कुमार, राजा कुमार, शत्रुधन कुमार, गणेश कुमार, सौदागर चौधरी, भोला चौधरी, श्रवण चौधरी, जीतू कुमार, उर्मिला देवी, कारी देवी एवं चिंता देवी शामिल हैं। सभी अभियुक्त पुनहा गांव, थाना– रहुई, जिला– नालंदा के निवासी बताए गए हैं। घटनास्थल का एफएसएल टीम द्वारा निरीक्षण किया गया है तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर–02, बिहारशरीफ द्वारा भी मौके का निरीक्षण किया गया। मृतक का पोस्टमार्टम कराया जा चुका है। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रेतर अनुसंधान जारी है तथा क्षेत्र में विधि–व्यवस्था की स्थिति सामान्य बनी हुई है।

Mob:- 9931909825, 7004010773 Abhishek Kr. (Reporter)
8271042705, 9546290822 (Pankaj Sale & Service)

अजन्ता मैरेज हॉल

यहाँ AC एवं NON AC HALLS की सुविधा उपलब्ध है।

नोटः- हमारे यहाँ शादी-विवाह, रिंग सेरेमणि, रिसेप्शन, बर्थ-डे पार्टी सेमिनार, मीटिंग एवं अन्य अवसर के लिए उत्तम व्यवस्था है।

पताः- मिलपर, कॉलेज & रेलवे स्टेशन रोड नूरसराय (नालन्दा)

अपने क्षेत्र के खबर भेजने या विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

7033325120,9931609015

मलमास मेला 2026 की तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा, सुरक्षा व सुविधाओं को लेकर प्रशासन अलर्ट

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट राजगीर(नालंदा)। राजकीय मलमास मेला 2026 को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने राजगीर स्थित मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर विभिन्न तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान विधि–व्यवस्था, आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने को लेकर मॉक ड्रिल का भी आयोजन किया गया। मलमास मेला का आयोजन 17 मई 2026 से 15 जून 2026 तक राजगीर में होगा। मेले में देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु ब्रह्मकुंड में स्नान और पूजा–अर्चना के लिए पहुंचेंगे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन एवं सुविधाओं को लेकर व्यापक तैयारी की है। निरीक्षण के दौरान जिला. धिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेले के दौरान सभी विभाग पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर बनाए रखने तथा महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी तथा सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। आपदा मित्रों एवं राहत–बचाव दलों को भगदड़, आगजनी, जल दुर्घटना और अन्य आपदाओं से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण और दिशा–निर्देश दिए गए हैं। मॉक ड्रिल में पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन दल एवं आपदा मित्रों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। प्रशासन के अनुसार, मेला की शुरुआत 17 मई को कुंड परिसर में ध्वजारोहण के साथ होगी। प्रथम शाही स्नान 27 मई, द्वितीय शाही स्नान 31 मई तथा तृतीय शाही स्नान 11 जून को आयोजित होगा। पंचमी और अमावस्या के अवसर पर भी भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

शाही स्नान के दौरान करीब ढाई लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है।मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 14 आवासन स्थलों की व्यवस्था की गई है, जिसमें जर्मन हैंगर और वाटरप्रूफ पंडाल शामिल हैं। स्टेट गेस्ट हाउस मैदान में वीआईपी टेंट सिटी सहित 6000 लोगों की आवासन क्षमता विकसित की गई है। सभी आवासन स्थलों पर पेयजल, शौचालय, पंखा, कूलर, प्रकाश व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पीएचईडी विभाग द्वारा 30 स्थानों पर 300 प्याऊ, 20 नए चापाकल और 125 स्टैंड पोस्ट लगाए जा रहे हैं। प्रतिदिन लगभग तीन लाख श्रद्धालुओं के लिए पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। वहीं 1000 से अधिक शौचालय और 25 चेंजिंग रूम भी तैयार किए गए हैं। श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था के लिए 14 स्थानों पर 25 "दीदी की रसोई" संचालित की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत 8 अस्थायी अस्पताल, 18 स्वास्थ्य शिविर, 16 एम्बुलेंस और 4 चलंत चिकित्सा दल तैनात रहेंगे। पावापुरी स्थित भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान में भी विशेष चिकित्सा तैयारी की गई है। भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग 950 दंडाधिकारी, 530 पुलिस पदाधिकारी, 100 होमगार्ड, 38 टॉप और 16 वॉच टावर लगाए गए हैं। पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी 550 सीसी. टीवी कैमरों से की जाएगी। इसके अलावा ड्रैगन लाइट, नाइट विजन उपकरण और मैन पैक की भी व्यवस्था की गई है। स्वच्छता व्यवस्था को लेकर मेला क्षेत्र को तीन जोन में बांटा गया है। तीन पालियों में 617 सफाईकर्मी और 87 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। नियमित फॉगिंग, चूना और ब्लीचिंग का छिड़काव भी किया जाएगा। परिवहन व्यवस्था के तहत पटना, गया, नवादा, जहानाबाद और बख्तियारपुर से रिंग बस सेवा चलाई जाएगी। 12 पार्किंग स्थल और 20 ट्रैफिक चेक पोस्ट बनाए गए हैं। ई–रिक्शा और टोटो के लिए रूट और किराया भी निर्धारित कर दिया गया है। आपदा प्रबंधन को लेकर ब्रह्मकुंड क्षेत्र में रेड कॉरिडोर बनाया गया है, जिसका उपयोग केवल आपात स्थिति में किया जाएगा। 21 सदस्यीय एसडीआरएफ टीम और 180 आपदा मित्रों की तैनाती की गई है। पहली बार ब्रह्मकुंड और सप्तधारा क्षेत्र में ऑडियो–वीडियो रिकॉर्डिंग वाले कैमरे लगाए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि राजकीय मलमास मेला नालंदा की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित कई अधिकारी और मंदिर समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजेगी राजगीर की वादियां, शाही स्नान में साधु–संतों का निकलता है अखाड़ा

कुंड स्नान के लिए बनाये गये हैं जिक–जैग रास्ता, सरस्वती कुंड में होता है पहला स्नान, वैतरणी नदी है मोक्षदायनी

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। राजकीय मलमास मेला को लेकर सारी तैयारी लगभग पूरी कर ली गयी है। श्रद्धालुओं के कुंड स्नान से लेकर मनोरंजन का पूरा ख्याल रखा गया है। मेला में खासकर ब्रह्मकुंड स्नान का काफी महत्व माना जाता है। इस कारण देश के कोने–कोने से श्रद्धालु यहां के गर्म जलधारा में स्नान करने को आते हैं। इस बार आने वाले श्रद्धालुओं को कुंड तक जाने के लिए जीक–जैग रास्ता बनाया गया है। यहीं से पुरुष व महिलाएं अलग–अलग प्रवेश करेंगे। इसके लिए इस बार ब्रह्मकुंड परिसर में सीढ़ियों पर बैरिकेडिंग व पंडाल बनाया गया है। पंडाल में पंखा लगे हैं।

वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजेगी राजगीर की वादियां 15 जून तक चलने वाले राजकीय मलमास मेला की शुरूआत आज होगी। पंडा कमेटी द्वारा सुबह 6 बजे से 9 बजे तक तीर्थपूजन होगा। उसके बाद 9 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा। यज्ञशाला में ध्वजारोहण अंतरराष्ट्रीय स्तर के संत अयोध्या श्री कोसलेस सदन पिताधेश्वर के विद्याभास्कर स्वामी श्री महाराज एवं सिमरिया घाटन के करपात्री अग्निहोत्री परमहंस स्वामी चिदात्मन जी महाराज उर्फ फलाहारी बाबा करेंगे। पंडा कमेटी के प्रवक्ता सुधीर कुमार उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा ब्रह्मकुंड परिसर में लक्ष्मी नारायण मंदिर एवं सप्तध. ारा परिसर में ध्वजापूजन, उद्घाटन एवं सरस्वती कुण्ड परिसर में संध्या गंगा मह. ाआरती का आयोजन होगा। सुधीर उपाध्याय ने बताया कि ऐसी मान्यता रही है कि मेले के दौरान तैंतीस कोटि देवी–देवता का वास राजगीर में होता है।

रविवार को छह बजे तीर्थ पूजन शुरू हो जायेगा। इसमें पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार किया जायेगा। मेला उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे। वहीं समारोह में अति विशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्य मंत्री विजेन्द्र प्रसाद यादव, विशिष्ट अतिथि ग्रामीण विकास सूचना जन–संपर्क मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधायक कौशल किशोर, विधान पार्षद रीना यादव, नगर परिषद राजगीर के सभापति जीरो देवी भी शामिल होंगे। वहीं मेला में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन द्वारा जगह–जगह पर ठहरने के लिए टेंट सिटी व आश्रय स्थल बनाया गया है। मेला में लाखों की संख्या में देश व विदेश के श्रद्धालु आते हैं और यहां के कुंडों में डुबकी लगाते हैं।

मेले के दौरान पहला स्नान स्थल होता है सरस्वती घाट

सप्तधारा में तीर्थपूजन व ध्वजारोहण के बाद लोगों के स्नान के लिए ब्रह्मकुंड खोल दी जायेगी। वहीं मेले के दौरान श्रद्धालु लोग पहला स्नान पहले सरस्वती नदी घाट पर करते थे। इस बार उन्हें सरस्वती कुंड में स्नान करना होगा। सरस्वती कुंड में जगह–जगह पर पिण्ड बनाये गये हैं। वहां पर कई देवी–देवताओं को रखा गया है। इसी कुंड घाट पर पर महाआरती होगी।

शाही स्नान में साधु–संत पहला स्नान करते हैं गुरुनानक कुंड में

सालों से यह परंपरा चली आ रही है कि शाही स्नान के दौरान विभिन्न मठों से आने वाले साधु–संत पहले गुरुनानक कुंड में स्नान करते हैं। उसके बाद वे ब्रह्मकुंड परिसर में प्रवेश करते हैं। इसके लिए शाही स्नान के दिन साधु–संत गाजे–बाजे व परंपरा के अनुसार अखाड़ा खेलते हुए अपने मठों से निकलते हैं और कुंड तक जाते हैं। इस दिन साधु–संतों के स्नान के लिए विशेष व्यवस्था होती है।

वैतरणी नदी है मोक्षदायनी

वैतरणी नदी घाट के बारे में ऐसी मान्यता है कि इस नदी तट के एक छोर से दूसरे छोर को गाय की पूंछ पकड़कर पार करने पर सीधे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसी कारण इस नदी घाट पर विशेष भीड़ होती है। यहां पर पूरे महीने पिण्ड दान भी होता है। यहां पर इस बार आश्रय स्थल भी बनाया गया है। यानि यहां आने पर रहने की पूरी व्यवस्था है।

प्रखंड कार्यालय स्थित अंचल कार्यालय में भूमि से संबंधित निपटारे को लेकर लगाया गया जनता दरबार कुल 3 मामले को ऑन द सपोर्ट किया गया निष्पादन

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। भूमि से संबंधित विवाद निपटारे को लेकर हरनौत प्रखंड कार्यालय स्थित अंचल कार्यालय में शनिवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। अंचलाधिकारी पूजा कुमारी ने बताया कि प्रत्येक शनिवार की तरह इस शनिवार भी जमीन विवाद, दाखिल खारिज, एवं राजस्व से जुड़े विभिन्न मामले की निष्पादन को लेकर जनता दरबार लगाया गया । उन्होंने बताया कि जनता दरबार में कुल 5 मामला सामने आया। जिसमें प्रखंड क्षेत्र के सबनाहुआ डीह , तेलमर , चेरो से एक एक कुल 3 मामले को ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। कई मामलों में दोनों पक्षों को बुलाकर आपसी सहमति से समाधान निकालने का प्रयास भी किया गया। वही ग्रामीणों ने जमीन संबंधित पुराने लंबित मामलों को जल्द निपटारे की मांग भी उठाई। वहीं प्रशासन की ओर से लोगों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करने की सलाह दी गई ताकि मामले का तेजी से निष्पादन किया जा सके। सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर स्थानीय थाना के थाना के पुलिस मौजूद थे।

हरनौत प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जगहो पर सुहागिन

महिलाओं ने किया बट सावित्री की पूजा, पति की लंबी आयु और सुख समृद्धि का किया कामना

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। हरनौत प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को वट सावित्री पूजा धूमधाम एवं श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। प्रखंड क्षेत्र के महिलाओं ने अपनी पति की लंबी आयु और सुख समृद्धि के लिए पूरी विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की। सुबह से ही प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में बट वृक्ष के नीचे सुहागिन महिलाओं की भारी भीड़ और धार्मिक माहौल देखने को मिली। सबसे ज्यादा भीड़ सुबह 11रू30 को देखने को मिला। जहां सुहागिन महिलाएं पारंपरिक परिधान और 16 श्रृंगार कर पूजा स्थलों पर पहुंची और विधि विधान से बट सावित्री की पूजा की। पूजा के दौरान महिलाओं ने सामूहिक रूप से सावित्री सत्यवान की कथा भी सुनी। हरनौत बाजार के डाक बंगला रोड स्थित मनोकामना महावीर मंदिर के पुजारी ललन बाबा ने बताया कि पति की लंबी आयु के लिए रखे गए निर्जला व्रत ध. ार्मिक मान्यता के अनुसार माता सावित्री ने अपने ताप पर प्रेम और अटूट विश्वास से यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लाए थे। उसी समय से पति की रक्षा और अमरता के लिए यह व्रत किया जाता है। इस मान्यता के चलते सुहागिन महिलाएं प्रत्येक वर्ष बट सावित्री का व्रत रखती है। महिलाओं ने दिन भर निर्जला व्रत रखा और बट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए पूजा अर्चना की। पंडितों ने बताया कि बट यानी बरगद पेड़ के नीचे ब्रह्मा विष्णु और महेश का वास माना जाता है। बरगद पेड़ के पास रंगोली भी सजाई गई थी और महिलाओं ने पारंपरिक गीत भी गाएं ।कई जगहों पर महिलाओं ने समूह में पूजा की। जिससे माहौल पूरी तरह से भक्ति मय बना रहा। पूजा संपन्न होने के बाद महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर, बिंदिया,फल और अन्य पूजन सामग्री बाटकर शुभकामनाएं दी और महिलाओं ने एक दूसरे के खुशी वैवाहिक जीवन की कामना की ।बात दे कि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पूजा स्थलों पर सुबह से ही चहल–पहल का माहौल बना रहा। पूजा सामग्री की दुकानों पर भी दो दिन पहले से भीड़ देखने को मिल रही थी।

घर का ताला तोड़कर चोरों ने उड़ाया साढ़े तीन लाख का आभूषण
मोरा में सालों बाद इस तरह की पहली घटना से लोगों में डर का माहौल

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। छबिलापुर थाना क्षेत्र के मोरा गांव में शुक्रवार की रात को किशोरी प्रसाद के पुत्र सुधांशु कुमार के घर का ताला तोड़कर करीबन साढ़े तीन लाख रुपये के आभूषण, बर्त्तन सहित अन्य सामान चोर उड़ा ले गये। इस तरह की घटना से पूरे गांव में कोलाहल मच गयी है। लोगों ने बताया कि यह चोरी की घटना 40 सालों के बाद पहली घटना है। इस तरह से बंद घर से चोरी हो जाने से सबों में एक डर का माहौल बन गया है। पीड़ित सुधांशु कुमार उर्फ मंटू ने बताया कि वह अपने पिता किशोरी प्रसाद को इलाज के लिए 10 दिनों से पटना में था। शनिवार को वह घर आया तो पाया कि उसके मेन गेट का ताला टूटा है। इसे देखकर उसके होश उड़ गये। अंदर गया तो सभी कमरे, सारे गोदरेज, ट्रंक सभी का ताला टूटा पड़ा था और सारे सामान बिखरे पड़े थे। उसने बताया कि गोदरेज में रखा पांच भर सोना व चांदी के आभूषण, 70 हजार रुपये नगद, कांसा व पीतल के बर्त्तन सहित अन्य सामान चोर उड़ा ले गये। इसकी लिखित सूचना उसने छबिलापुर थाना को दी है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस तरह की चोरी की घटना से पूरा गांव स्तब्ध है। अब कैसे कोई अपना घर को छोड़कर बाहर जायेगा। गांव में तो लोग छोड़कर चले जाते थे कि यहां कुछ नहीं होगा। लोगों ने बताया कि इस तरह की चोरी की घटना को अंजाम देने वाला दूर का नहीं होगा। वहीं गांव में भी साइबर अपराधी भरे पड़े हैं। दो बार पुलिस उन्हें पकड़ी है पर छोड़ दी है। इससे भी साइबर अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है।

पटना कॉलेज और पटना साइंस कॉलेज में खुलेंगे एनओयू का स्टडी सेंटर

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। नालंदा खुला विश्वविद्यालय (एनओयू) जल्द ही राजधानी के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों, पटना कॉलेज और पटना साइंस कॉलेज में अपने नये स्टडी सेंटर खोलने की तैयारी कर रहा है। शनिवार को विश्वविद्यालय की एक निरीक्षण टीम ने इन दोनों कॉलेजों का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विश्वविद्यालय के अधिकारियों के अनुसार यह निर्णय बिहार के विभिन्न हिस्सों से आए छात्रों की भारी मांग और नामांकन के आवेदनों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। निरीक्षण टीम में शामिल डॉ. किरण पाण्डेय और सरफराज आलम ने पटना कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार और पटना साइंस कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अलका से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान निरीक्षण टीम ने प्राचार्यों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों और रोजगारोन्मुखी कौशल विकास कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम ने स्पष्ट किया कि इन केंद्रों के खुलने से दूर–दराज से आने वाले छात्रों को काफी सुविधा होगी। विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि यहां जल्द ही नामांकन प्रक्रिया शुरू होने वाली है, जो पूरी तरह ऑनलाइन होगी। विश्वविद्यालय की ओर से यह भी जानकारी दी गई कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छात्राओं के लिए कोर्स फीस में 25 प्रतिशत की विशेष छूट दी जाती है। नालंदा खुला विश्वविद्यालय अपनी सामाजिक प्रतिबद्धताओं के तहत पहले से ही बेउर जेल के कैदियों को निरूशुल्क उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है।

हरनौत बाजार में खुला स्थाई प्याऊ केंद्र
गर्मी में मिलेगी राहत ,सालोभर मिलेगी पानी

केशववाणी राकेश कुमार की रिपोर्ट हरनौत (नालंदा)। हरनौत नगर पंचायत के वार्ड संख्या 11 में स्थित प्रखंड मुख्यालय के पास स्थायी प्याऊ केद्र का उद्घाटन शनिवार को किया गया।वहीं उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह समाजसेवी सुरेश सिंह ने बताया कि अब यहां से गुजरने वाले लोगों को गर्मी में पीने के पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। नगर पंचायत द्वारा लाखों रुपये के लागत से स्थायी प्याऊ की व्यवस्था की गयी है। लोगों को सालोभर शुद्ध और ठंडा आरओ का पानी मुफ्त में उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में बाजार आने वाले लोगों, राहगीरों और दुकानदारों के साथ–साथ प्रख़ंड सह अंचल कार्यालय के कार्य से पहुचें लोगो को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। उन्होनें बताया कि यहां दो नल के टोटी से ठंठा जल तथा एक नल के टोटी से नार्मल पानी की व्यवस्था है।वहीं ईओ सौरभ सुमन एवं संवेदक आशिष त्रिवेदी ने बताया कि तकरिबन दस–दस लाख रूपये कि लागत से चार स्थानों पर स्थाई प्याऊ केंद्र बनाया गया है।उन्होनें ने कहा कि हर केद्र पर एक कमरा बनाया गया है।जो आठ फीट लंबा,आठ फीट चौड़ा तथा दस फीट ऊंचा है।जिसमें कमरे के अंदर बोरिंग और बिजली कनेक्शन कराया गया है। साथ हीं 500 लीटर क्षमता का ठंठा पानी रखने के लिए एक टंकी सहित अन्य आवश्यक मशीन और अन्य उपकरण लगाए गये है।जबकि 10 फीट उंची कमरे के ऊपर 1000 लीटर क्षमता का टंकी सहित अन्य उपकरण लगाए गये है।उन्होनें बताया कि बिजली रहने पर टंकी में पानी स्वतरू पानी भरा जाएगा।इसके लिए मशीन लगाई गई है।ईओ ने बताया कि यह व्यवसाय के लिए लागू नहीं रहेगा।अगर कोई भी दुकानदार डिब्बा या अन्य बर्तनों में पानी संग्रह करते गए पकड़े गए तो उस पर जुर्माना वसूली की जाएगी।उन्होने बताया कि तीन अन्य जगहों पर स्थायी प्याऊ बनाए गए हैं।जिसमें रांची रोड स्थित चर्च के पास, बस्ती स्थित काली स्थान के पास तथा चंडी रोड मोड़ शामिल है।उन्होनें ने बताया कि तीन अन्य स्थानों पर भी अस्थायी प्याऊ कि पहले से व्ययस्था की गई है।प्याऊ में लगे मिट्टी के घड़े में पानी भरने के लिए नगर पंचायत की विशेष टीम को लगाया गया है।यह अस्थायी प्याऊ रांची रोड पर थाना मोड़ व गोनावां मोड़ तथा रेलवे स्टेशन के पास शामिल है।मौके पर मुख्य पार्षद प्रतिनिधि धीरज कुमार उर्फ पल्लू सिंह, पार्षद प्रतिनिधि मिथिलेश कुमार, पार्षद सुनील कुमार, लिपिक दिनेश,छोटु समेत अन्य मौजूद थे।

आज राजगीर में खुलेगा अस्थायी पटेल धर्मशाला

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। मलमास मेला राजगीर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पटेल सेवा सदन द्वारा अस्थायी पटेल धर्मशाला खोला जायेगा। इसका उद्घाटन ग्रामीण विकास सह सूचना एवं जन–सपंर्क मंत्री श्रवण कुमार करेंगे। समिति के सदस्य जयराम सिंह व मुन्ना कुमार ने बताया कि यह पटेल धर्मशाला एक माह के लिए राजगीर मेन बाजार स्टेट बैंक के पूरब गली पुरानी सेंट्रल बैंक होते हुए आरके महल हवेल में खोली जायेगी। इस कार्यक्रम में सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधायक हरिनारायण प्रसाद, विधायक डॉ. सुनील कुमार, विधायक डॉ. जितेन्द्र कुमार, विधायक कृष्ण मुरारी शरण, विधायक रूहेल रंजन, विधायक कौशल किशोर, विधान पार्षद रीना यादव, जिला परिषद अध्यक्षा तुनजा देवी, पूर्व विधायक ई0 सुनील कुमार, पूर्व विधायक चन्द्रसेन प्रसाद, पूर्व विधायक रवि ज्योति कुमार, पूर्व जिला परिषद अध्यक्षा पिंकी देवी, नगर परिषद राजगीर की सभापति जीरो देवी, जिला परिषद सदस्य नूतन देवी, राजगीर प्रखंड प्रमुख रानी देवी, बेन प्रखंड प्रमुख रंजु देवी, गिरियक प्रखंड प्रमुख रजनी कुमारी, नूरसराय प्रखंड प्रमुख रेखा देवी शामिल होंगे।

अनिता कुमारी बनीं भाजपा महिला मोर्चा नालंदा की जिला उपाध्यक्ष

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट राजगीर (नालंदा)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा नालंदा की सक्रिय कार्यकर्ता व पूर्व जिला परिषद सदस्य अनिता कुमारी को मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। मानस भूमि स्कूल नालंदा की निदेशिका अनिता को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर जिले के कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। मनोनयन पर उन्होंने पार्टी के शीर्ष व जिला नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। अनिता कुमारी ने कहा पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उनके लिए सम्मान के साथ–साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है।

वे संगठन की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूर्ण निष्ठा व समर्पण के साथ कार्य करेंगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी और महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष धर्मशीला गुप्ता का धन्यवाद करते हुए कहा कि वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में नालंदा में महिला मोर्चा को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। भाजपा हमेशा से महिला सशक्तिकरण और उनके सम्मान के लिए प्रतिबद्ध रही है। इस अवसर पर उन्होंने बधाई देने वाले सभी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों का आभार जताया।

STET–2025 रिजल्ट कार्ड वितरण की तिथि बढ़ी, अब 22 मई तक मिलेगा परिणाम पत्र

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट (नालंदा)। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा (STET–2025) के अभ्यर्थियों के लिए राहत भरी खबर है। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, नालन्दा ने रिजल्ट कार्ड वितरण की तिथि बढ़ा दी है। अब अभ्यर्थी 19 मई 2026 से 22 मई 2026 तक अपना रिजल्ट कार्ड प्राप्त कर सकेंगे। रिजल्ट कार्ड का वितरण जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, नालन्दा कॉलेजिएट, गढ़पर, बिहारशरीफ में प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक किया जाएगा। पहले यह वितरण कार्य 12 मई से 18 मई तक निर्धारित था, जिसे अब विस्तारित कर दिया गया है। कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार पेपर–1 और पेपर–2 के अभ्यर्थियों के लिए अलग–अलग काउंटर बनाए गए हैं। रोल नंबर के आधार पर निर्धारित काउंटर से ही रिजल्ट कार्ड दिया जाएगा।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों को रिजल्ट कार्ड प्राप्त करने के लिए प्रवेश पत्र अथवा परीक्षाफल की वेब कॉपी के साथ भारत सरकार या राज्य सरकार द्वारा जारी फोटोयुक्त वैध पहचान पत्र की मूल प्रति एवं उसकी स्व–अभिप्रमाणित छायाप्रति साथ लानी होगी। बिना वैध पहचान पत्र के किसी भी अभ्यर्थी को रिजल्ट कार्ड नहीं दिया जाएगा। साथ ही किसी अन्य व्यक्ति को भी रिजल्ट कार्ड उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। यह जानकारी जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, माध्यमिक शिक्षा, नालन्दा द्वारा जारी की गई है।

पति की दीर्घायु और परिवार की सुख–समृद्धि के लिए महिलाओं ने रखा सावित्री वट व्रत

गिरियक, पावापुरी समेत विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धा और भक्ति के साथ महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा–अर्चना

केशववाणी गिरियक(नालंदा)। गिरियक प्रखंड क्षेत्र के रैतर, गिरियक हटिया, पावापुरी सहित विभिन्न गांवों और कस्बों में सावित्री वट व्रत श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिन म. हलाओं ने अपने पति की लंबी आयु, परिवार की सुख–समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर पूरे विधि–विधान के साथ व्रत रखा और वट वृक्ष की पूजा–अर्चना की। सुबह से ही पूजा स्थलों पर महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने पूजा की थालियों के साथ वट वृक्ष के पास पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किया। महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए कच्चा सूत बांधा और भगवान से अपने परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की। पूजा स्थलों पर पूरे दिन भक्तिमय माहौल बना रहा तथा मंत्रोच्चार और भजन–कीर्तन से वातावरण गुंजायमान रहा। इस अवसर पर उपस्थित पंडितों द्वारा सावित्री वट व्रत की कथा सुनाई गई। कथा वाचन के दौरान महिलाओं को सावित्री और सत्यवान की अमर कथा, व्रत के महत्व,

नियम और धार्मिक मान्यताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पंडितों ने बताया कि हिंदू धर्म में सावित्री वट व्रत को अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता सावित्री ने अपने तप, समर्पण और दृढ़ संकल्प से यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। तभी से सुहागिन महिलाएं इस व्रत को श्रद्धा और विश्वास के साथ करती आ रही हैं। महिलाओं ने दिनभर उपवास रखकर पूजा–अर्चना की और परिवार की सुख–शांति एवं समृद्धि की कामना की। पूरे क्षेत्र में सावित्री वट व्रत को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। गांवों और मंदिर परिसरों में महिलाओं की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान के बाद प्रसाद वितरण भी किया।

नालंदा में पेट्रोल–डीजल और रसोई गैस की नहीं है कमी, कालाबाजारी पर होगी कड़ी कार्रवाई – डीएम

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट (नालंदा)। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने शनिवार को जिले में रसोई गैस की कमी एवं पेट्रोल पंप बंद होने की सूचनाओं को लेकर सभी तेल विपणन कंपनियों के सेल्स ऑफिसरों और वरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में पेट्रोल–डीजल की कोई कमी नहीं है तथा सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। नोडल सेल्स ऑफिसर ने बताया कि सभी कंपनियों के पेट्रोल पंप पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं और खपत के अनुरूप लगातार पेट्रोल–डीजल की आपूर्ति की जा रही है। जिला. धिकारी ने सभी तेल कंपनियों को निर्देश दिया कि मांग बढ़ने की स्थिति में अतिरिक्त 5 से 10 प्रतिशत तेल का स्टॉक पेट्रोल पंपों पर उपलब्ध रखा जाए, ताकि किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि यदि वितरण में किसी प्रकार की बाधा आती है तो संबंधित अधिकारी तुरंत वरीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर समस्या का समाधान सुनिश्चित करेंगे तथा इसकी जानकारी जिला प्रशासन को देंगे, ताकि विधि–व्यवस्था प्रभावित न हो। बैठक में एलपीजी के नोडल पदाधिकारी ने बताया कि जिले की 54 गैस एजेंसियों के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 8650 घरेलू एलपीजी सिलेंडर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि राजगीर मलमास मेला 2026 17 मई से शुरू हो रहा है। ऐसे में मेला क्षेत्र के होटल, धर्मशाला और सामुदायिक रसोई में वाणिज्यिक सिलेंडरों की मांग बढ़ेगी। इसे देखते हुए सभी कंपनियों को पर्याप्त मात्रा में कमर्शियल गैस सिलेंडर का स्टॉक रखने का निर्देश दिया गया है।जिलाधिक. ारी ने बताया कि बिहारशरीफ, सिलाव और राजगीर में पीएनजी पाइपलाइन का कार्य तेजी से चल रहा है। बिहारशरीफ के कई वार्डों, सिलाव बाजार तथा राजगीर के पंचवटी नगर, कृष्णापुरी, पटेल नगर, अशोक नगर और विरायतन रोड समेत कई क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। इसके अलावा न्यू नालंदा विश्वविद्यालय, बिहार पुलिस अकादमी और आयुध कारखाना परिसर में भी पीएनजी पा. इपलाइन की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। कई अन्य वार्डों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पाइप. लाइन बिछ चुकी है, वहां उपभोक्ताओं के लिए पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। प्रशासन विशेष निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेगा कि पा. इपलाइन वाले क्षेत्रों में लोग पीएनजी कनेक्शन ले रहे हैं या नहीं। जिलाधिकारी ने बताया कि अब तक जिले में 1947 लोगों को च्छळ कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है। प्रशासन का उद्देश्य एलपीजी सिलेंडर पर निर्भरता कम कर सुरक्षित और निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करना है। जिलाधिकारी ने इंडियन ऑयल–अडानी गैस प्राइवेट लिमिटेड को निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन उपलब्ध है, वहां आवासीय विद्यालय, महाविद्यालय, छात्रावास, सामुदायिक रसोई और आंगनबाड़ी केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए। एलपीजी सिलेंडर से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। उपभोक्ता टोल फ्री नंबर 06112–233168 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जिलाधिकारी ने आम लोगों से अपील की कि यदि कहीं पेट्रोल–डीजल या एलपीजी सिलेंडर की जमाखोरी, कालाबाजारी अथवा घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग होता दिखे तो इसकी सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को दें। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।